Title : Loss of lives due to brain fever in Aligarh, Uttar Pradesh.

चौधरी विजेन्द्र सिंह (अलीगढ) : माननीय सभापति जी, मैं आपको धन्यवाद देता हूं कि आपने मुझे सदन में बहुत ही सैंसिटिव इश्यू को उठाने का समय दिया।

महोदय, उत्तर प्रदेश इस समय एक भयावह बीमारी से ग्रस्त है। उत्तर प्रदेश में एनसिफेलाइटिस बीमारी, महामारी का रूप ले चुकी है। वहां एक महीने में 126 मौतें हो चुकी हैं। मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान जनपद अलीगढ़ की ओर आकर्षित करते हुए कहना चाहता हूं कि कस्बा जलाली, हरदुआगंज और भोडासी में एक सप्ताह में 26 मौतें हो चुकी हैं। इस बीमारी के प्रति वहां की सरकार विशेष संज्ञान नहीं ले रही है। मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि चाहे लोक सभा हो या विधान सभा, आम जनता ने हमें अपने सुख-दर्द की आवाज सदन में उठाने के लिए चुनकर भेजा है और यदि हम उसकी आवाज नहीं उठाएंगे, तो हम अपने कर्तव्य के प्रति न्याय नहीं कर पाएंगे।

महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि इस बीमारी का इलाज उत्तर प्रदेश में नहीं हो पा रहा है। इसकी दवाएं बहुत महंगी हैं। जब आदमी को यह बीमारी होती है, तो वह महंगी दवाएं न खरीदने के कारण अपना इलाज नहीं करा पाता है। यह छूत की बीमारी जैसी है। इसलिए वहां डॉक्टर जाने में हिचक रहे हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश के बनारस एवं गोरखपुर में लगभग 98 मौतों इस बीमारी से हुई हैं। इसलिए मैं आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि वह उत्तर प्रदेश सरकार को निर्देशित करे कि वह इस बीमारी के प्रति संज्ञान ले और स्पेशल जांच कराए कि यह बीमारी आखिर है क्या ? क्या यह दिमागी बुखार जिसे एनसिफेलाइटिस कहते हैं वह है अथवा मलेरिया ? â€¦ (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN : Please do not make a speech.

चौधरी विजेन्द्र सिंह : महोदय, इस बीमारी के बारे में वहां बहुत भ्रम फैला हुआ है। कोई कहता है कि यह दिमागी बुखार है और कोई कहता है कि यह मलेरिया है। वहां इस बीमारी के लिए आवश्यक दवाओं का अभाव है। इस कारण रोगियों का इलाज नहीं हो रहा है और दवाओं के अभाव में उनकी मृत्यु हो रही है। वहां डाक्टर नहीं जा रहे हैं, दवाएं नहीं मिल रही हैं। इंसान की जान बहुत कीमती होती है, लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि उत्तर प्रदेश में इंसान की जान की कोई कीमत नहीं है। हमें अपने क्षेत्र की जनता ने चुनकर अपने सुख-दर्द की जानकारी सदन के माध्यम से सरकार को देने के लिए यहां भेजा है। यह बहुत ही सेंसिटिव इश्यू है। मेरा निवेदन है कि इस बीमारी से छुटकारा दिलाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार को तत्काल निर्देशित किया जाए। â€¦ (व्यवधान)

योगी आदित्यनाथ (गोरखपुर) : महोदय, माननीय सदस्य बिलकुल ठीक कह रहे हैं। उत्तर प्रदेश सरकार को इस बीमारी का संज्ञान लेने के लिए तत्काल निर्देशित किया जाए। â€¦ (व्यवधान)

चौधरी विजेन्द्र सिंह : सभापति जी, यह बहुत सैंसिटिव इश्यू है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में इससे बहुत सारी मौतें हुई हैं, लेकिन आज तक वहां के अधिकारियों ने इस बीमारी के प्रति संज्ञान नहीं लिया है। दवाओं का इंतजाम नहीं होने के कारण इस बीमारी से ग्रस्त लोग आए दिन मौत के घाट उतर रहे हैं। इसलिए मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से कहना चाहता हूं कि इस बीमारी से छुटकारा दिलाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार को निर्देशित करें कि उत्तर प्रदेश सरकार इस बीमारी के प्रति तत्काल संज्ञान ले और केन्द्र सरकार यहां से डॉक्टरों की स्पेशल टीम भेजे, जो जांच करें कि आखिर यह क्या बीमारी है और उसके अनुरूप इस बीमारी पर काबू पाने के लिए उपयुक्त कदम उठाए।

MR. CHAIRMAN : Please do not make a speech. You have already mentioned about the disease.

चौधरी विजेन्द्र सिंह : सभापति जी, वहां पीने के पानी की भी जांच कराई जाए। मैं इस विश्वास के साथ अपनी बात समाप्त कर रहा हूं कि आप केन्द्र सरकार के माध्यम से उत्तर प्रदेश सरकार को इस बीमारी का संज्ञान लेने के लिए निर्देशित करेंगे ताकि उत्तर प्रदेश को इस बीमारी से छुटकारा मिल सके।

महोदय, मैं अंत में एक और निवेदन करना चाहता हूं कि इस बीमारी के कारण जो आम लोग मरे हैं जिससे उनके घरों में कोई कमाने वाला नहीं रहा, उनके परिवारों को कम से कम 5-5 लाख रुपए प्रति परिवार मुआवजा दिया जाए ताकि वे अपने परिवार का भरण-पोषण कर सकें। आपने मुझे समय दिया, इसके लिए मैं पुनः आपको धन्यवाद देता हूं।